(ix) Need for construction of an airport at Kayad, Ajmer, Rajasthan

प्रो. रासा सिंह रावत (अजमेर) : महोदय, अजमेर राजस्थान की हृदयस्थली है। यह नगर इतिहास, पर्यटन, शिक्षा एवं धर्म की दृष्टि से अत्यधिक महत्व रखता है। यहां पर सुप्रसिद्ध सूफी संत ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह विद्यमान है, जहां देश विदेश के लाखों व्यक्ति जियारत करने आते हैं। अजमेर के पास में ही पुष्कर नामक सुप्रसिद्ध हिन्दुओं का तीर्थ तथा पर्यटन का महत्वपूर्ण केन्द्र है, जहां भी प्रतिवर्ष लाखों व्यक्ति धार्मिक पुण्य अर्जित करने हेतु आते हैं। अजमेर के पास ही एशिया का सुप्रसिद्ध मारबल व्यवसाय का केन्द्र किशनगढ़ तथा सुप्रसिद्ध एवं पुरानी सैनिक छावनी नसीराबाद स्थित है। अजमेर के आसपास ही भीलवाड़ा जैसा कपड़ा उद्योग का महत्वपूर्ण केन्द्र तथा नागौर जैसा ऐतिहासिक स्थल है। अजमेर रेलवे एवं सी0आर0पी0एफ की दृष्टि से भी विशिष्ट महत्व रखता है। अनिवासी भारतीय (एन0आर0आई0) विशेषतः सिन्धी समुदाय के हजारों व्यक्तियों के यहां निवास हैं जो अफ्रीकी देशों अथवा सिंगापुर, फिलीपीन्स, इंग्लैंड, अमेरिका, दुबई आदि देशों में कारोबार करते हैं और वर्ष में कई बार उनका आना जाना होता है। इन सभी दृष्टियों से अजमेर का वायुसेवा से जुड़ना आवश्यक है।

अतः भारत सरकार से अनुरोध है कि परियोजना के तकनीकी एवं आर्थिक व्यवहारिकता का अनेक बार अध्ययन कराया जा चुका है, अब उसे भौगोलिक दृष्टि से राजस्थान के केन्द्र में स्थित तथा सभी दृष्टियों से महत्वपूर्ण अजमेर पुष्कर को हवाई मार्ग से जोड़ने हेतु हवाई अड्डे का निर्माण पूर्व चयनित स्थल कायड गांव के निकट शीघ्र बनवाने की कार्यवाही प्रारंभ की जाये।